संख्याः 217/18(1)/2006

प्रेषक,

एन0एस0नपलच्याल,
प्रमुख सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवामें,

जिलाधिकारी,
उत्तरकाशी।

राजस्व विभाग

देहरादूनः दिनांकः 31 मार्च, 2006

विषयः—प्रबन्धक, शिवानन्द आश्रम योगनिकेतन केन्द्र नैताला को आश्रम हेतु 0.127है0 भूमि पट्टे पर दिये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या—1168/21—14(2005—06) दिनांक 23 फरवरी, 2006 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय ग्राम नैताला तहसील भटवाड़ी जिला उत्तरकाशी की खतौनी खाता संख्या—44 के खसरा संख्या—4217 रकबा 0.115है0 तथा खाता संख्या—46 के खसरा संख्या—4180 म0 रकबा 0.008है0 तथा खसरा संख्या—4181म0 रकबा 0.004है0 अर्थात कुल रकबा 0.127है0 भूमि शिवानन्द आश्रम योग निकेतन केन्द्र, नैताला को आश्रम हेतु राजस्व अनुभाग—1, उत्तर प्रदेश शासन के शासनादेश संख्या—258/16(1)/73—रा—1 दिनांक 9 मई,1984 एंव यथासंशोधित शासनादेश संख्या—1695/97—1—1(60)/93—रा0—1 दिनांक 12 सितम्बर,1997 में उल्लिखित व्यवस्थानुसार वर्तमान बाजार दर के दो गुनी दर से निकाले गये भूमि के मूल्य के बराबर नजराना एक मुश्त जमा कराये जाने के अतिरिक्त नई दरों पर निकाली गई मालगुजारी के बीस गुने वार्षिक किराया नियत करके निम्नलिखित शर्तो के अधीन पट्टे पर आवंटित करने की स्वीकृति प्रदान करते हैंः—

(1) प्रश्नगत भूमि का उपयोग उसी कार्य विशेष के लिए किया जायेगा जिसके लिए स्वीकृत की गई है।

(2) प्रश्नगत भूमि किसी व्यक्ति व संस्थान या संगठन को बेचने/पट्टे पर देने अथवा किसी अन्य प्रकार से हस्तान्तरित करने का अधिकार पट्टेदार को नहीं होगा। भूमि का उपयोग आवंटन के दिनांक से 03 (तीन) वर्ष की अवधि में पूर्ण कर लेना अनिवार्य होगा, अन्यथा आवंटन स्वतः निरस्त समझा जायेगा।

.....(2)

(3) प्रश्नगत भूमि पट्टेदार को राजस्व विभाग के नियन्त्रणाधीन सरकारी सम्पत्ति के प्रबन्ध से सम्बन्धित शासनादेश संख्या–150/1/85(24)–रा0–6 दिनांक 9 अक्टूबर, 1987 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत गवर्नमेन्ट ग्रान्ट्स एक्ट 1895 के अधीन पट्टा प्रथमतः 30 वर्षो के लिए होगा और पट्टेदार के लिए दो बार 30–30 वर्ष के लिए इसे नवीनीकरण कराने का विकल्प उपलब्ध होगा। सरकार को नवीनीकरण के समय लगान बढ़ाने का अधिकार होगा जो पूर्व लगान के 1–1/2 गुना से कम नहीं होगा।

(4) प्रश्नगत भूमि की आवश्यकता पट्टेदार को न रह जायेगी तो भूमि निर्माण (Structure) सहित राजस्व विभाग को वापस हो जायेगी, जिसके लिए कोई प्रतिकर आदि देय न होगा।

(5) यदि भवन का परित्याग कर दिया गया हो, तो भवन स्थल सहित राज्य सरकार में सभी भारों से मुक्त निहित हो जायेगी।

(6) आवंटन की अवधि समाप्त होने अथवा उपरोक्त शर्तो बिन्दु संख्या 1 से 5 तक में किसी भी शर्त का उल्लंघन होने की स्थिति में प्रश्नगत भूमि भव निर्माण सहित राजस्व विभाग में निहित हो जायेगी, जिसके लिए कोई प्रतिकर देय नहीं होगा।

2– उक्त आदेशों का तत्काल क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(एन0एस0नपलच्याल)
प्रमुख सचिव।

संख्या एवं तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1– मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तरांचल, देहरादून।
2– मण्डलायुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
3– प्रबन्धक, शिवानन्द आश्रम योगनिकेतन, नैताला, उत्तरकाशी।
4– निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तरांचल, देहरादून।
5– गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सोहन लाल)
अपर सचिव।
2